TOUGH SHOES FOR A TOUGH TRIP
Preached by Dr. w euGENE SCOTT, PhD., Stanford University
At the Los Angeles University Cathedral
Copyright © 2007, Pastor Melissa Scott. - all rights reserved

शीर्षक : **कडी यात्रा के लिये कडे जूते**
डॉ. डब्लयू. यूजीन स्काट, विशारध, स्टैनफोर्ड विश्व विध्यालय,
द्वारा लासऐंजलस के गिरजाघर में उपदेश दिया गया
अधिकार © २००७, पादरी मैलिसा स्काट - सारे अधिकार सुरक्षित

TOUGH SHOES FOR A TOUGH TRIP
कडी यात्रा के लिये कडे जूते

मैं हर काम एक क्रम अनुसार करता हुँ। मैं इस गिरजाघर में पला बडा हुआ हुँ और यह गिरजाघर किसी और सामान्य गिरजाघर की तरह नहीं बन सकता। जब मैं दस वर्ष पहले इस शहर में आया था, तो मैंने लोगों से कहा था की यदी आप को केवल उपस्थित रहने के लिये गिरजाघर चाहिये तो इस सडक से आगे चले जाईये, आप को - कुछ ही दूरी पर, कोई न कोई गिरजाघर मिल जायेगा। और इन दस वर्षों में मैंने यह भी कहा है की अगले सप्ताह आप को नया पादरी मिल जायेगा। दूसरे गिरजाघर चले जाईये। मैंने बडी दिलचस्पी के साथ यह देखा है की कैसे लोगों को विज्ञापन के द्वारा आकर्शित किया जाता है और लोग जिगयासा पूर्वक एकत्रित होते हैं की "महान आग के गोलों" को सुनें।

मैंने कई गिरजाघरों में लोगों को भावनात्मक रूप से ऐसा पागलों जैसा व्यवहार करते हुए देखा है की यदी वे इस तरह से सडक पर करते तो कब के अंदर हो जाते। उन के ईश्वरज्ञान ने उन्हें इस तरह आसाधारण बना रखा है की वे जीवन की किसी भी खुशी में भाग नहीं लेते। गिरजाघर में परमेश्वर की आराधना करते समय वे भावना के पागलपन में बह जाते हैं। उन की पूरी शक्ति, पुलपिट के पास रोते हुए कट जाती है और पूरा सप्ताह, वे आसाधारण व अर्ध-आत्मिक्ता में काटते हैं। गिरजाघरों ने "औरतों की प्रचार समीतीयाँ" बनाई हैं जहाँ पर औरतें अपना समय धर्म प्रचारकों के बच्चों के लिये रज़ाईयाँ बनाने के बजाये गप्पें मारती हैं। और जिन गिरजाघरों में मैं गया हुँ उन में से एक में तो हर सप्ताह जवानों के लिये सभायें होती थीं जिन में वे अजीब खेल खेलते थे, जैसे "बोतल को गोल घुमाना"।

अलोकिक का अर्थ है "अधिक सामान्य"। मसीहत आप को झक्की नहीं बनाती। जैसा की मैं हमेशा कहता आया हुँ की आत्मिक बनने के लिये ... आप को ज़मीन से चालिस फीट ऊपर उडने की आवश्यक्ता नहीं। मसीहों को नमक बनाना है जो इस संसार को बनाये रखता है। यह विश्वाविध्यालय की कक्षा है जो सप्ताह में एक बार लगती है, इसलिये नहीं की आप दूसरों से अच्छे मसीह बनोगे, क्योंकी आप अपने शरीर को यहाँ पर उठा कर लायें हैं। आप किसी गिरजाघर में जाये बिना ही स्वर्ग जा सकते हैं। अब समय आ गया है की कोई पादरी आप से यह कहे की - मसीही बनने के लिये आप को किसी गिरजागर जाने की आवश्यक्ता नहीं। कलीसीया, लोगों का समूह है जो प्रभु के हैं, और परमेश्वर के घर

जाते हैं। केवल इस वचन को मान लें, 'जहाँ दो या तीन उसके नाम से एत्रित होंगे, वह वहाँ पर होगा", और सब से महत्वपूर्ण बात यह है की, हमारे बीच में परमेश्वर की आत्मा की उपस्थिती है, जो परमेश्वर के वचन को हमारे बीच में जल्द पहुँचायेगी, जब तक हमारे पास देखने के लिये दृष्टि न हो और यह प्रचारक को भी प्रेरणा देती है की वह परमेश्वर के वचन को जल्द पहुँचाये - जिस का नतीजा यह होगा की हम विश्वास पायेंगे, क्योंकी "विश्वास सुनने से आता है, और सुनना, परमेश्वर के वचन से आता है"।

गिरजाघरों की सभाओं को बंद झक्की समीतीयां नहीं बनना है, जिन में केवल उन्हीं के शोक गीत गाये जाते हों, और जब आप घर वापस लौटते हैं, तो आप ने जो रविवार को किया है, उस की कोई झलक पूरे सप्ताह में कहीं दिखाई नहीं देती। और कुछ गानें जो गिरजाघरों में गाये जातें हैं, उन में इतना बुरा ईश्वरज्ञान होता है की वे मसीहों के दिमागों को इतनी बुरी तरह नष्ट करते हैं की जितना संसार में बजने वाले "रॉक एण्ड रोल" के गाने नहीं करते। उदहारण के लिये: "किले को संम्भाले रहो की मैं आ रहा हुँ; जवाब को स्वर्ग में वापस भैंक दो। आप के अनुग्रह से हम कर पायेंगे।"

यीशु ने कहा, "मैं अपनी कलीसीया बनाऊँगा और नरक के द्वार उसके आगे नहीं रुक सकेंगे।" मुझे इन "खोदो भाई और अतिजीवन की आशा" में भरे हुए गीत मत दीजीये। कलीसीया अपमानकारी है, रक्षक नहीं। यह एक पागलों का समूह है! "वापस लौटो, नरक! हम पीछे की ओर जा रहे हैं।" इन कुछ आधुनिक बेफकुफी भरे मसीही गीतों में, "यदी खुशी चाहिये तो, उस के लिये कूदो!" मुझे याद है की जब मैं एक गिरजाघर की सभा में गया था तो वहाँ पर यह गीत गाया गया, "यदी खुशी चाहिये तो, उस के लिये कूदो!" एक पागल ने मुझे पकड कर कुदवाया! मैं जीवता साक्षी हुँ की इस से सब कुछ प्राप्त हुआ, केवल खुशी के।

आप जानते हैं की गिरजागर में आज क्या बुराई है? यदी कोई सामान्य लोग जो पहले कभी इस गिरजाघर में नहीं आये थे वे आते हैं तो, वे "महान आग के गोलों" और "जॉर्जिया" को सुन कर बेचैनी अनुभव करेंगे। एक सामान्य पापी, एक सामान्य गिरजाघर में "पिसगाह के तूफानी समतल से...", सुन कर बेचैनी अनुभव करेगा। यह आप को कुछ करता है, है न? "पिसगाह के तूफानी समतल से..."।

पौलुस, नये नियम में जिव्हा के विषय बात करता है। वे कुरन्थि, कार्य करने के बजाये, अपने आत्मिक उपहार को दिखाने में अधिक दिलचस्पि रखते थे। वह कहता है की यदी कोई अनजान व्यक्ति आता है, और तुम भिन्न भाषा में बोल रहे हो, तो वह सोचेगा की तुम पागल हो। इस का अर्थ यह है की हमें इस तरह का व्यवहार नहीं करना है, जिस से लोग हमारी आत्मिक्ता को न समझ पायें - हमें पागल नहीं लगना है।

परमेश्वर का वचन, इस कलीसीया की मेज के मध्यभाग की सजावट है, और परमेश्वर के अनुग्रह से मैं इस के बारे में इस तरह प्रचार करूँगा की लोग इसे समझ सकें। इस कलीसीया का मुख्य दावा यह है की: परमेश्वर, मसीह में रह कर संसार को अपने साथ जोड रहा था, और परमेश्वर के तत्व

को किसी ने नहीं देखा - यदी हम यूहन्ना के शब्दों का श्रुतीभाष्य करें, "वह परदे के पीछे से हटा, और परमेश्वर को प्रदर्शित किया" - उसने मनुष्य के शरीर में तंम्बू गाडा और साधारण सडकों पर चला। धार्मिक लोगों ने उसे पहचाना तक नहीं। धार्मिक लोगों ने उस से घृणा करी।

उन्होंने उसे "मदीरा पीने वाला और भुक्खड" कहा। यह पूरे कपडे से नहीं बनाया गया। वह अपने रिश्ते से खुश था। मेरी बाईबल कहती है की यीशु पापीयों का मित्र था। मैंने बहुत समय से, इस कलीसीया में, इस गुण को नहीं देखा।

साधारण लोगों ने उसे खुशी से सुना। जो यूहन्ना ने कहा, मैं उसे दोहराऊँगा, "किसी ने भी परमेश्वर को नहीं देखा परन्तु मसीह ने उसे प्रगट किया है।" उस ने परमेश्वर को मनुष्यों की सडकों पर प्रगट किया। कलीसीया इसे वापस आकाश में फैंक देना चाहती है और उन की आत्मिक्ता की पहचान है, "सब के ऊपर रहना" - ऐसी आत्मिक सच्चाई के साथ जो केवल बेवकूफ लोग ही समझ सकते हैं, परन्तु उन्हें समझ नहीं आता। मैं फिर से कहता हुँ: हम दूसरी कलीसीयाओं की तरह नहीं बनना चाहते हैं।

मैं इन लोगों की सुनता हुँ जिन्होंने "रॉक एण्ड रोल" संगीत को अपनाया क्योंकी उन के पास इतनी योग्यता नहीं है की वे पवित्रशास्त्र को समझ सकें। मैं इस पुस्तक की गहराई तक जाने के लिये बेताव रहता हुँ। और यदी शैतान इस "रॉक एण्ड रोल" के रिकार्ड के बारे में पीछे से बात करना चाहता है तो वह टिक नहीं पाऐगा। जब इन लडको ने "हॉर्ट ब्रेक होटल" सुना था, तब एक ही बार मैंने रिकार्ड को पीछे से चलते हुए सुना, जब हमारे निर्देशक ने ऐसा किया था। और यदी शैतान बात कर रहा था, तो मैं उसे समझ नहीं पा रहा था, इसलिये उसके पास कुछ अधिक उपदेश नहीं था। (डर ने वाली बात है: एक शैतान जो "रॉक एण्ड रोल" के बारे में पीछे से बोलता है।) मैंने अफरिका के जंगलों से ब्राज़िल के ऊँचे शहरों तक उन लोगों को देखा है जिन के मनों में समगीत होता है, और उसे खुशी से परमेश्वर के समक्ष प्रस्तुत करते हैं, और कोई शैतान होता है जो उपदेश को आगे बडने नहीं देता और मैं कहता हुँ... "परमेश्वर, हमें इन सब मूर्खों के बीच में बुद्धि की कलीसीया को स्थापित करने में हमारी मदद कर।"

हर रविवार को यह देखना बहुत दिलचस्प होता है - वे लोग आते हैं जो संसार से छुटकारा पाना चाहते हैं और उस रात्री की आत्मिक्ता से हो कर जाते हैं जहाँ केवल 'उ-उ-उ-ह, उ-उ-उ-ह, उ-उ-उ-ह, है।' यदी मैं पौलुस की तरह होता, बढाई करने के लिये तैयार - यदी मैं उस विशेष उद्धार के समय को फरीसी कहता, तो मैं फरीसीयों का फरीसी होता जो उन के अध्यक्ष के घर में रहता; उसकी सुरक्षा में रहने वाला। मुझे याद है जब मैंने आस्ट्रेलिया में तीसरी बार, सब से बडी कलीसीया के बाच प्रचार किया था, मैंने उन्हीं लोगों को, आत्मिक्ता के उसी स्तर तक आते देखा है, जहाँ तक वह इस से पहले आये थे। तीसरी यात्रा तक आप उन्हें पहचानने लग जाते हैं। वे यह आत्मिकता स्तर मंच पर प्राप्त करते हैं और फिर अगले वर्ष तक फिर से भरने के लिये फिसल कर खाली हो जाते।

मैं, एक सप्ताह की छुट्टी लेकर सिडनी गया, ताकी जिस संस्था के लिये मैं कार्य कर रहा था उन की वार्षिक सभा का आयोजन कर सकूँ। मैं सिडनी शहर के वैंटवर्थ होटल में बैठा हुआ था। मैं जब खाना मंगा रहा था, तो मेरा लहजा सुन कर एक अमरीकी मेरे पास आया और उसने अपना परिचय दिया। उसने स्टैनफोर्ड से डॉक्टरी करी थी। वह वेयतनाम में काम कर रहा था। उस ने उसके साथ के लडके से मिलवाया जो मोनताना का रहने वाला था - उस के हैलीकॉप्टर का चालक। वे "आर और आर" से थे। उन्होंने मुझे भी उन के साथ जुडने के लिये कहा। उस समय "आर और आर" का समय चल रहा था, जिस में वे उनके साथ कार्य करने वालों के जेब में $१६६ डालते, उन्हें हॉगकॉग या सिडनी... या किसी और मनोरंजन की जगह ले जाते। वहाँ उन्हें दो दिन के लिये छोड दिया जाता है, ताकी वे जो चाहें वह कर सकें। उसके बाद उन्हें मृत्यु और त्रास और डर से जूजने के लिये जंगलों में छोड दिया जाता हैं। हम शहर के हर पब (दारू पीने की छोटी जगह) गये। सब से आखिर में जो बंद होता था वह "टैक्सी कल्ब" था, जो सुबह ५:३० बजे बंद होता था, और सब से पहले खुलने वाला पब ६:०० बजे खुलता था। "टैक्सी कल्ब" से इस पब तक चलते आने का समय।

मैंने उन्हें ६:३० बजे, बहुत परेशान अवस्था में छोडा। जैसा की मैंने उस रात देखा, मैं इस बात पर पहूँचा की संतों को बदलने में कलीसीया का हाथ है। यह नहीं की वह संसार तक पहुँच रही है, परन्तु वह तो यह भी नहीं जानती की संसार कहाँ है। मैंने इस संस्था को छोड दिया और जो परमेश्वर ने मुझे दैवी प्रकाशण दिया था, उसके अनुसार मैं, परमेश्वर और उस के वचन को साधारण लोगों तक पहुँचाने लगा।

यही वह बात है जिस ने मुझे प्रचार करने के लिये स्थापित किया की मैं परमेश्वर के वचन को जिस से विश्वास उत्पन्न होता है, और पौलुस की उस अदभुत इंजील को जो पूरे राज्य को हिला सकती है, प्रचार कर सकूँ - परमेश्वर उन लोगों की खोज में हैं जो उस पर विश्वास करते हैं। वह तुम्हें बदलने का कार्य करेगा। आप को इस ईश्वरज्ञान को रटने की आवश्यक्ता नहीं। आप केवल परमेश्वर के कार्यों को देख कर उस पर विश्वास करना सीखें। बदलाव का कार्य वह संम्भालेगा।

आप में से कितने लोग ऐसे हैं जो इस कलीसीया में, जहाँ मैं प्रचार करता हुँ, आने के बाद पिछले दस वर्षों से किसी और गिरजाघर नहीं गये? क्या आप खडे हो जायेंगे? यह कुछ बात है, है न? कृपया बैठ जाईये। इस का अर्थ यह है की दस वर्षों से हम एक साथ हैं। कई लोग पटरी के कारण कलीसीया को छोड कर चले गये। आप ने परमेश्वर को नहीं छोडा, और उसने आप को नहीं छोडा। शहर की बाकी कलीसीयाऐं, संतों के लिये लडती रहें और गिरजाघर की गाडीयाँ आती जाती रहें। मैं इन दस वर्षों से कहता आया हुँ, "मेरे पास शहर के हर पापी को भेजो जो परमेश्वर के लिये अपनी आवश्यक्ता को जानता है। आप का यहाँ पर स्वागत है, जब तक आप परमेश्वर के वचन का आदर करते हैं।" और परमेश्वर के वचन को सिखाने वाला यह विश्वविध्यालय हमेशा मार्ग दर्शन करता रहेगा। हमें पता है की गीत कैसे गाये जाते हैं, परन्तु हम "महान आग के गोलों" पर जान निछावर नहीं करते।

यह एक और रविवार है, जहाँ मुझे पता नहीं की, क्या परमेश्वर जानता है की वह क्या कर रहा है। मैंने एक बहुत अच्छा उपदेश तैयार कर रखा था। वह मुझे कुछ और कहने को कह रहा है। यदी आप को पसन्द नहीं आता है, तो उस पर दोष लगाईये। और उससे कहीये की जो स्काट कहना चाहता है उसे कहने दो। मैं समझता हुँ की दस वर्षों में एक बार ही परमेश्वर ने मुझे मेरा तैयार किया हुआ वचन सुनाने दिया होगा। बाकी के समय पर वह मुझे डरा देता है, ऐसे विषयों पर बोलने को कहता है जो शायद वह स्वंय न बोल सके।

आप में से कितने जानते हैं की मैं वर्ष में सात उपदेश देता हुँ, चाहे आप को पसन्द आये या नहीं? और मैं परमेश्वर से कहता हुँ, "अब हम इस आकर्शक नयी जगह पर हैं, ऐसा मत करना!" वह कुछ नहीं कहता। उसने तो तैय कर लिया है की मुझ से वह करवा कर ही रहेगा। आप कहेंगे की, "परमेश्वर आप पर कैसे प्रभाव डालता है?" मैंने जो तैयारी करी है वह मेरे दिमाग से निकल जाती है - मैं इस के अलावा कुछ और नहीं सोच सकता।

उन उपदेशों में से जो मैं प्रचार करता हुँ, एक यह है जो मैं आज प्रचार कर रहा हुँ - व्यवस्थाविवरण ३३। यह उस तरह का उपदेश है जिसे आप हज़ारों बार भी सुन सकते हैं। यह परमेश्वर की पुस्तक में एक प्रतिज्ञा है। आप इसे हज़ार बार भी सुन सकते हैं। परन्तु जैसा की कार्ल बार्थ ने कहा था, "एक पशु की तरह यह वचन निकल कर आप को लपक कर पकड लेता है," और उस समय आप को पता है की परमेश्वर की आत्मा ने उसे उस समय आप के जीवन पर लागू किया है। पवित्रवचन की अच्छी से अच्छी आयत पर जब हजारों बार उपदेश दिया जाये तो उस का अर्थ समाप्त हो जाता है, परन्तु एक समय आता है जब भजन संहिता २३ का निजी रूप से हर एक के लिये कुछ अर्थ निकलता है - "यहोवा मेरा चरवाह है, मुझे कुछ घटी न होगी।" और यह सातों उपदेश ऐसी ही आयतों पर बने हुए हैं। आप ने चाहे जितनी भी बार उन पर उपदेश सुना हो, पर एक समय ऐसा आता है, जब आप को उस आयत की आवश्यक्ता होती है, और यही वह भेद है।

मैं जब उपदेश देता हुँ तो मैं चाहता हुँ की यह कलीसीया पर कुछ प्रभाव करे। दस वर्षों से जब मैं प्रचार करता आ रहा हुँ तो हर समय कोई न कोई व्यक्ती ऐसा होता है जिस को इस की आवश्यक्ता होती है। आज मुझे इस की आवश्यक्ता है। यदी आप को नहीं चाहिये तो आप सो जाईये।

और हम लोगों को निर्देश देते रहते हैं। यीदी मैं इस गिरजाघर को बनाता, तो मैं पीछे की तरफ आरामकक्ष बनवाता। यदी आप आरामकक्ष को जाना चाहते हैं, तो बीच के रास्ते से होते हुए प्लैटफार्म पर से होते हुए सीडी पर से मत जाईये। उस रास्ते से चले जाईये। एक दम आवश्यक हो तब तक मत रुकीये वरना बहत देर हो जायेगी, आप वहाँ तक नहीं पहुँच पायेंगे। अपने आप को दो मिनट और दीजीये। ठीक?

उपदेश, व्यवस्थाविवरण ३३ पर है, "आशेर का गीत"। आप जानते हैं की वह क्या है। २ कुरिंन्थियों १:२० हमें अधिकार देता है की हम पुराने और नये नियम में उन प्रतिज्ञाओं को खोजें जो हमारे लिये सही हैं। पिछले रवीवार मैंने आप को बताया की न्याय अनुसार प्रचार करने और विश्वास के साथ

प्रचार करने में क्या भेद है। न्याय अनुसार प्रचार करने का अर्थ है न्यायों को बताना और विश्वास के साथ प्रचार करने का अर्थ है की आप को विश्वास का वह टेक दिया गया है जो आप को परमेश्वर के साथ जोडता है, ताकी वह अपने जीवन को आप के जीवन में डाल दे, और क्या उस जोड के कारण वह आप को बदल कर अपनी छवी में बदल देता है? २ कुरिंन्थियों १:२० आप को अधिकार देता है की आप परमेश्वर की पुस्तक को खोजें और हर प्रतिज्ञा को ढूँढें, और जब आप को कोई ऐसी प्रतिज्ञा मिलती है जो आप की परिस्थिती के अनुकूल है, तो उसे अपना लें, क्योंकी २ कुरिंन्थियों १:२० कहता है, "सब" - कोई छूट नहीं। "परमेश्वर की जितनी प्रतिज्ञाऐं हैं, वे सब उसी में," - मसीह में, "'हाँ' के साथ हैं" या आप के लिये हाँ हैं, "और उसके द्वारा आमीन," या आप के साथ ऐसा ही हो। इसे पाने के लिये मुझे यही बहाना चाहिये।

"यह आशेर के लिये था" - आप कह सकते हैं, जैसा की इस्राएलीयों के लिये था और यहोवा ने कहा, "मैं वह परमेश्वर हुँ जो तुम्हें चंगा करता हुँ।" जब इस की आवशेयक्ता हो, मैं इसे अपना सकता हुँ। यह आशेर का गीत, एक प्रतिज्ञा है और नया नियम कहती है, "उसकी जितनी प्रतिज्ञाऐं हैं, वे सब" - और मैं जब विश्वास के साथ कार्य करता हुँ, तो "उस में हुँ"। रोमियों ८ कहता है की जब वह तुम में प्रवेश है तो तुम उस में प्रवेश करो। आप विश्वास के साथ कार्य करते हैं; वह आप में प्रवेश करता है। यदी प्राचीन रोम की भाषा में शब्द प्रयोग करें तो, *इप्सो फैक्टो,* आप "उस में हैं।" उस में विश्वासी होने के नाते मैं कोई भी प्रतिज्ञा पर अधिकार जता सकता हुँ। अब इसे छीन लें।

कौन सी प्रतिज्ञा? "तेरे जूते....." (२५ आयत)। शायद आप को इसके बारे में पता है और मैं आप को बोर कर रहा हुँ। "तेरे जूते लोहे और पीतल के होंगे।" आप जानते हैं की मैं क्या कहने जा रहा हुँ, है न? "कडी यात्रा के लिये कडे जूते।"

क्या आप को झूले में लटकने के लिये लोहे और पीतल के जूतों की आवश्यक्ता है... ? नर्म गद्दों पर लेटने के लिये लोहे और पीतल के जूतों की आवश्यक्ता नहीं...। आप को इन महान आत्मिक चमत्कारी चटाईयों के लिये जो आप को प्रति दिन महीमा की उडान पर ले जाती हैं, लोहे और पीतल के जूतों की आवश्यक्ता नहीं। आप को लोहे और पीतल के जूतों की आवश्यक्ता तब होती है जब आप की यात्रा कडी हो। यह विचार कहाँ से आता है, ५० गज़ चलने से... या ५० फुट चलने से... या ५ फुट तक चल कर वेदी तक पहुँचने से, ताकी आप आसान राह पर चल सकें? मैंने जो आप से कहा था क्या वह याद है? मसीही बन जाओ ताकी सारा नरक तुम पर टूट पडे। यदी आप चाहते हैं की हर बात कडी हो, तो यीशु के पास आईये।

आप जानते हैं की आप में से अधिकतर लोगों की किस बात से मैं घृणा करता हुँ? आप यहाँ पर बैठ कर अच्छे लोगों की तरह सर हिलाते हैं, परन्तु रास्तें में एक छोटा सा कंकड आ जाये तो आप चिल्लाने लग जाते हैं, "ओह हाँ पादरीजी, यह सही है!" अगली बार परमेश्वर कुछ रुकावट डालता है तो

आप उस पर चिल्लाने लग जाते हैं। मैं आप के चेहरों को देख कर बता सकता हुँ। यदी आप इस उपदेश से और थोडा चकित हो जाऐं तो मैं आगे बढता हुँ। मैं आप से क्या कहूँ? "मसीही लोग आनन्दित हो, आगे और परेशानीयाँ आने वाली हैं!" "हे परमेश्वर, यह मेरे साथ क्यूँ हो रहा है?" क्योंकी तुम परमेश्वर की राह पर चल रहे हो, बेवकुफ! पानी के विरुद्ध तैरने के लिये आप को अधिक शक्ती की आवश्यक्ता होती है।

यदी तुम संसार के होते तो, संसार अपने से प्रेम करता।" विश्वास की राह ने तुम्हें पलटा है। शैतान पागल नहीं हैं। आप कैदीयों को हर समय नहीं मारते हैं; वे आप को परेशान नहीं करते। किसी को विश्वास के स्तर को ऊँचा करने दें और आप उस पर चलना शुरू कर दें, जैसा की यहाँ पर आशेर के पुत्रों ने किया ताकी वे परमेश्वर ने जो प्रतिज्ञा करी थी उस स्थान पर जा सकें। उन के सामने समस्याऐं आयेंगी। मैं पिछले कुछ सप्ताह से इस कलीसीया के साथ कठोरता से पेश नहीं हो रहा हुँ। आप में से कई लोग अपने जीवन में स्थापित हो रहे हैं, जिस में १० प्रतिशत परमेश्वर की ओर हैं: महिने में एक बार होप सट्रीट जाना, बूढे स्काट के पास सप्ताह में एक बार आना - "अरे, वह तो यहीं रहेगा;" जो विशवास की आवाज है - "आज रात मुझे जाने की इच्छा नहीं है।"

यह कडी यात्रा है, दोस्तो। यह कडे लोगों के लिये कडी यात्रा है। मैं नहीं समझता की इस कलीसीया के कई लोग यह कर पायेंगे। मसीहत कोई शैतानों की समाज नहीं है। यह कडी यात्रा है। और यदी आप परमेश्वर की सेवा करना चाहते हैं तो यह याद रखीये की यह कडी यात्रा होगी।

क्या आप चाहते हैं की मैं विस्तार से बताऊँ? नहीं मैं नहीं बताऊँगा। आप में से कितने लोग इस बात की साक्षी दे सकते हैं की जब आप ने विश्वाक की राह पर चलना प्रारंम्भ किया तो आप पर अचानक कठीनाईयाँ आने लगीं। आप ने सोचा की आप मर जायेंगे? क्या आप जानते हैं की मैं अधिकतर लोगों के प्रचार और मसीही बी, एस.-अरों के विरुद्ध क्यों हुँ? उन्होंने शैतान को उत्पन्न किया की वह तुम्हारे विश्वास को नष्ट कर सके। ये बकवासबाजों का झुण्ड है। आप परमेश्वर के पास आईये, सब ठीक हो जायेगा। ये बकवासबाजों का गुच्छा हैं। आप परमेश्वर के पास आईये, परमेश्वर को दीजीये, धनवान हो जाईये, और लंम्बी उम्र पाईये: और संसार की सारी औरतें आप का पीछा करेंगी और ऐसा ही औरतों के साथ होगा। यह बकवासबाजी है। आप परमेश्वर के पास आईये, और आप पर मूसीबतें टूट पडेंगी।

पौलुस कहता है, "हमारी लडाई देह और खून से नहीं है परन्तु सिद्धान्तों और ताकतों से है।" इस संसार में कुछ ताकते हैं - "आसमान की ताकतों का राजकुमार।" वह नहीं चाहता की आप विश्वास पायें, और जब तक आप के पास विश्वास नहीं है, वह आप को हलके से थप थपायेगा और उसे पाने के लिये कहेगा। कई लोग मसीहत का प्रचार, नये कायदे और कानून के रूप में प्रस्तुत करते हैं, जिन पर आप को चलना है...। जिस दुनिया में यीशु आया वह परंम्परा से भरा था.. और कायदों से भरा था... सिद्धान्तों से भरा था... और उन लोगों ने उस को नहीं देखा। यदी आप विश्वास को अपनाने लगेंगे -

यानी परमेश्वर पर विश्वास करना; तो आप का एक दुश्मन हो गया है, क्योंकी उस का एक लक्ष्य उस समय से है जब से वह आदम और हवा के पास गया और कहा की जो परमेश्वर ने कहा है वह नहीं होगा। परमेश्वर के वचन की उस पहली ललकार के बाद वह हमेशा ऐसा करता आया है। आप परमेश्वर के वचन के अनुसार कार्य करने लगें और आप पर मूसीबतें टूट पडेंगी। मैं साल में एक बार आप को यह याद दिलाना चाहता हुँ। "मुझे नहीं लगता की मुझे यह यात्रा करनी चाहिये!" तो हमेशा के लिये नरक जाईये! हमेशा के लिये! यही चुनना हैः चाहे यहाँ पर नरक का सामना करीये या वहाँ पर नरक से घिरे रहीये। हमेशा के लिये! शैतान का एक ही लक्ष है, जो भी वचन को विश्वास के साथ अपनायेगा। इसलिये, प्रतिज्ञा करे हुऐ स्थान तक पहुँचना कठिन है। आप इस यात्रा को घर की चप्पलें पहन कर नहीं तैय कर सकते।

कडी यात्रा!

परन्तु, प्रतिज्ञा क्या है? "यात्रा पूरी करने के लिये कडे जूते।" "हूँ?" "हाँ!" आप में से कितने लोग जानते हैं...? बताईये की आप ने यह यात्रा क्यों प्रारंम्भ करी, आप में से कितनों ने यह सोचा की आप कुछ बातों के कारण दस वर्ष पहले ही मर जायेंगे - यह रास्ता उतना लंम्बा था - परन्तु अब ये सब बातें आप को परेशान नहीं करतीं? मैं आप के हाथों को देखना चाहता हुँ। मेरा मतलब है की आप उन पहाडों पर आज चड सकते हैं, जिन्हें दस वर्षों पहले देख कर आप गिर जाते थे। आप में से कितने लोग ऐसे हैं, जिन्हें यदी कोई दस वर्ष पहले विश्वास में वह कार्य करने को कहता जो उन्होंने छः माह में किया है, तो आप उन्हें पागल समझते? आप में से कितने लोग, दस वर्ष पहले वह कार्य नहीं कर सकते थे, जो आज प्रति दिन निकल कर करते हैं? (मैं उन लोगों की बात नहीं कर रहा जिन्होंने दस वर्ष पहले शादी करी है), मैं बात कर रहा हुँ... वह उपदेश क्या था? "खुश हो, सिद्ध पुरुष। आगे और परेशानीयाँ आने वाली हैं।" परन्तु हम और कडे हो गये हैं! "यह आज मुझ पर उतरेगी!" "आज मैं उस पर उतरूँगा!" कडे रास्ते, कडे जूते! मसीही लोग तैय कर सकते हैं! विश्वासी बने रहते हैं!

सितंम्बर क्या? इक्कीस, १९८६। धर्मी लोग, क्या आप समझते हैं की पिछला वर्ष बुरा था? आप ने कुछ नहीं देखा! आगे और बुरा होने वाला है, परन्तु हम अच्छे हो जायेंगे। यही उपदेश है! कभी यह मत कहीये की मरना है! ठीक है - मुझे नहीं पसन्द, तो ऐसा ही रहो।

आगे क्या? "जैसे आप के दिन वैसे ही आप की शक्ति होगी।" आज मेरे लिये एक आसान दिन होगा। मैं जब सो कर उठा तो मैं बहुत बुरा अनुभव कर रहा था। क्या आप ने ऐसी रात बिताई है जब चाहे आप सर के बल खडे हो जायें या, पैरों के बल, या कमर के बल या आप चाहे जो करीये, आप को नींद नहीं आती? जब बिस्तर आप को काँटों जैसा लगता है। और फिर परमेश्वर के अनुग्रह से आप को, आलारम बजने से पाँच मिनट पहले गहरी नींद आती है? फिर आप इतनी थकान अनुभव करते हैं - की आप को लगता है की आप के पैर ही नहीं हैं? यह प्रतिज्ञा कहती है, "जैसे तुम्हारे दिन" - अकेले व्यक्ति

को संम्बोधित। यह आप सब के लिये उपदेश नहीं है। यह आप में से हर एक के लिये है। "जैसे आप के दिन वैसे ही आप की शक्ति होगी।" शक्ति का देने वाला आप के प्रतिदिन की शक्ति का कार्यक्रम बनाता है।

इस उपदेश की खुशखबरी यह है की बुरा अनुभव करते हुए उठना अच्छा है। यदी आप कमज़ोरी के साथ उठेंगे, तो आप की शक्ति का नाप भी छोटा ही होगा। "जैसे आप के दिन वैसे ही आप की शक्ति होगी।" मेरा दिन ऐसा होगा जिस में अधिक शक्ति की आवश्यक्ता नहीं होगी - इस से सब से अच्छा यह होगा की शैतान छोटे रूप में आयेगा।

मेरी माँ मुझे बताती है की, मेरे पिता जिन्हें जोडों में दर्द रहता है..., और वे ८० वर्ष की उम्र के अनुसार बहुत अच्छे हैं, अकसर सुबह दर्द में उठते हैं। मेरी माँ भी दर्द के साथ उठती हैं, और मुझे भी यह विरासत में मिला है। और जिस दिन मेरे पिता बिना दर्द के उठते हैं, उस दिन वे परेशान रहते हैं। वह उठते हैं और परेशान हो जाते हैं। पहले एक घंटे तक वे यकीन नहीं कर पाते, पर हो सकता है की वे मर गये और स्वर्ग पहुँच गये हैं। है न, माँ? पापा उठते हैं और वह इतना अच्छा अनुभव करते हैं की वे करहाने लग जाते हैं क्योंकी वे इतना अच्छा अनुभव कर रहे हैं। वे जानते हैं की कुछ तो गलत है क्योंकी वे इतना अच्छा अनुभव नहीं कर सकते। यह आसाधारण है।

जब आप उठते हैं तो क्या आप ऐसा अनुभव करते हैं, "यदी कोई शेर भी यहाँ आ जाये, तो मैं उसके जबडे तोड दूँगा?" ध्यान दीजीये। "जैसा आप का दिन" - यह बुरी खबर है। "जैसे आप के दिन वैसे ही आप की शक्ति होगी।" आप जानते हैं की आप जीत नहीं सकते। आप को इस अच्छी बात से बुरा लगना चाहिये की आज अधिक परेशानी नहीं है; या आप को इस बात का दुख होना चाहिये की आप में बहुत शक्ति है, इसलिये आज का दिन बहुत बुरा बीतेगा। एक डॉक्टर एक लडके पास जा कर कहता है - जिस का पैर उसने अभी काटा था, "मेरे पास तुम्हारे लिये एक अच्छी खबर है और एक बुरी खबर। बुरी खबर यह है की हम ने गलत पैर काट दिया है। अच्छी खबर यह है की जिस पैर के लिये हम सोच रहे थे की काटना है, हमें पता चला है की काटने की आवश्यक्ता नहीं है।" आप हारने के लिये नहीं जीत सकते। आप उठते समय अच्छा अनुभव करते हैं, आप जानते हैं की शैतान आने वाले हैं। आप बुरा अनुभव करते हुए उठते हैं, आप इस बात का अनन्द भी नहीं ले सकते की आज आप को तंग करने के लिये थोडी परेशानी होगी। अच्छी खबर यह है की यदी आप बुरा अनुभव कर रहे हैं, तो आज आप को अधिक परेशानी नहीं होगी। बुरी खबर यह है की यदी आप अच्छा अनुभव कर रहे हैं, तो पूरा नरक खुल कर आप पर टूट पडेगा। "जैसे आप के दिन वैसे ही आप की शक्ति होगी।"

इस का अर्थ क्या है? चाहे दिन जैसा भी हो, शक्ति देने वाला हमें इतनी शक्ति देता है की हम उस को जूझ सकते हैं।

मेरे पूरे मसीही जीवन में यह सब से कठिन पाठ था जो मैंने सीखा - दिन के समाप्त होने पर

कभी हार नहीं मानना। दिन के समाप्त होने पर कभी हार नहीं मानना। क्या हमारे पास यह करार नहीं है? यदी आप का पादरी आज रात सेवा छोड देता है, तो कोई बात नहीं। परमेश्वर की प्रतिज्ञा है। "जैसे आप के दिन वैसे ही आप की शक्ति होगी।" इस का अर्थ यह है की प्रभुओं का प्रभु और महिमा का परमेश्वर हम में से हर एक की शक्ति को नापेगा, और हम आज के दिन को पार कर लेंगे।

विश्वास उस समय कार्य करता है जब हम इस प्रतिज्ञा को अपनाते हैं और लालच को दूर रखते हैं और..... आप में से कितनों ने ऐसा यकीन किया है की, आज का दिन आप पार नहीं कर सकते? आप में से ऐसे यहाँ पर कितने हैं? कई लोग ऐसा मसीहत के बारे में प्रचार करते हैं, जो बिछी हुई है। जब आप २० वर्ष के होते हैं, तब परमेश्वर के पास आते हैं और आप को मालूम है की ८३ की आयू में आप क्या करेंगे।

परमेस्वर इस तरह से काम नहीं करता और मैं आप से कह चुका हुँ की मुझे इस उपदेश की आवश्यक्ता है। मैं नहीं जानता की आज आप जीवन में क्या जूज रहे हैं, और मैं पूछूँगा भी नहीं। मैं चाहता हुँ की हम इस उपदेश को पूरा करें। आप आज चाहे जिस परेशानी का सामना कर रहे हों, या कल चाहे जिस परेशानी का सामना करें, आज की परेशानीयों से कीसी को भी नाडी की कमजोरी नहीं हुई है। यहाँ मेरी नजर में कोई भी ऐसा नहीं है जो अपने अन्दर यह नहीं जानता है की वह आज का दिन पार कर लेगा। नाडी की कमजोरी उस समय होती है जब हम आने वाले कल में जो होने वाला है उस के बारे में विचार कर के डरते हैं।

परमेश्वर की प्रतिज्ञा, कल को आज बनाना है। "आप नहीं जानते की मैं आज किस परेशानी का सामना कर रहा हुँ - मुझे बुद्धवार को आईआरऐस को मिलना है।" "आप नहीं जानते की मैं आज किस परेशानी का सामना कर रहा हुँ - मैं मंगलवार को दिवालीया होने वाला हुँ और मेरी पत्नी भी मुझे उसी दिन छोडने वाली है।" याद है जब एक लडके ने मुझे रात में दूरदर्शन पर फोन किया था? "खुशी से कूदीये। थोडे लोग होते हैं जिन्हें इस संसार में दुबारा प्रारंम्भ करने का मौका मिलता है।"

ऐसा न हो की कल आप को मार दे। "जैसे आप के दिन वैसे ही आप की शक्ति होगी।" इस के बारे में सोचीये - परमेश्वर, एक रसायन बनाने वाला है, जो प्रति दिन शक्ति को नापता है। वह सब जानने वाला सोचता है, "मैं आज स्काट पर अधिक शक्ति नहीं बरबाद करूँगा क्योंकी आज वह किसी बडी समस्या का सामना नहीं करने वाला। इसलिये आज इसे परेशानी के साथ उठने दीजीये। इसे आज रात सोने मत दो। यदी इसे आज अच्छी नींद देते हैं तो वह कल पूरी शक्ति के साथ उठेगा और एक मक्खी को मारने के लिये परमणु बम का प्रयोग करेगा।"

इस का अच्छा कार्यक्रम बनाईये। आप में से कितने हैं जो आज बुरा अनुभव कर रहे हैं? सच्चाई से बोलीये। आप किसमत वाले हैं। आप मेरे जैसे हैं - शैतान आप को अधिक परेशान नहीं करेगा। बाकी के लोग कहाँ हैं, जिन पर शैतान हमला करने वाला है? जब आप उठे तो आप को ऐसा लग रहा था जैसे

आप कोई महान हैं? हम उन के लिये प्रार्थना करते हैं। मैं आप लोगों को मसीहत की समझ देना चाहता हुँ, ताकी आप छोटी सी परेशानी से हार न जायें. "कडी यात्रा के लिये कडे जूते।" हम पार कर लेंगे। कडा मार्ग लाओ। मेरे जूते इस का सामना करेंगे। "कल का दिन पूर्ण है और बुरा भी," यीशु ने कहा। हम इस बात को अपने दिमाग में बैठा लें, परमेश्वर ने हमारे विश्वास को पहचान कर हम में अपनी जान डाली है - "जैसे आप के दिन वैसे ही आप की शक्ति होगी।"

आगे क्या? "अनादी परमेश्वर तेरा गृहधाम है।" यह व्याकुल करने वाला वचन है। इब्रानी अक्षर चित्रित करते हैं। उन में ऐसा अर्थ होता है की हम अनुभव करने लगते हैं। यहाँ असल में जो कहा गया है वह यह है की "जो हमेशा सामने रहता है वह परमेश्वर हमारा गृहधाम है।" मैं इस बात को मान लेता हुँ की रास्ता कठिन है। मैं यह बात भी मानता हुँ की आने वाले दिनों के लिये मैं तेल का पीपा नहीं पा सकता। परमेश्वर प्रति दिन शक्ति देता है और वह उतनी शक्ति देता है जिस से मैं उस दिन का सामना कर सकूँ, परन्तु मैं फिर भी कल के लिये परेशान हुँ। इस बात को जानते हुए की परमेश्वर ने इस प्रतिज्ञा को डाला है।

हम इसे पिछले दस वर्षों से प्रति वर्ष करते आये हैं, परन्तु यह हमेशा नाकाम रहा है। क्या हम कल के लिये परेशान नहीं रहते? और इतिहास चलता रहता है और मैं नहीं जानता की आगे उस मोड पर क्या है। और यह आयत कह रही है की "सामने रहने वाला परमेश्वर" हमारी सुरक्षा करता है। जब तक आप वहाँ पहुँचते हैं तब तक यह पूरी हो जायेगी। अभी समय है ... आप मान लीजीये। यदी आप स्कूल गये हैं तो आप जानेंगे की सच्चाईयों के बारे में कुछ ऐसी बातें हैं जो हमारी सोच से परे हैं। मुझे देख कर आप को लगेगा की मैं रिक्त स्थान हुँ, और मैं सब से छोटे कणों से बना हुआ हुँ। परन्तु मेरी वैध्यविध्या और रसायन ज्ञान के बारे में पढ कर आप में से कितनों ने इसे सच समझा? समय सगोत्र है। समय सगोत्र है। परमेश्वर कहता है की "मैं, अलफा" - प्रारंम्भ और "ओमेगा हुँ" - अन्त। समय हमारे लिये सगोत्र है।

हम समय को ऐसे देखते हैं जैसे इतिहास भूतकाल है? और भविष्य सामने ही है। भविष्य अभी आने वाला है, है न? सामने ही है। मैं भविष्य की ओर जा रहा हुँ, है न? इतिहास मेरे पीछे है। जो आने वाला है वह सामने है, है न? आईये, मेरे साथ विचार करीये।

मैं उन गिरजाघरों को पसन्द नहीं करता जहाँ पर लोग जा कर प्रचार करने वाले को ऐसे देखते हैं, और उन के दिमाग कहीं और रहते हैं। इतिहास मेरे पास से जा चुका है, और भविष्य आने वाला है। यह मेरे पीछे है और यह यहाँ है। इतिहास मेरे पीछे है, है न? क्या हम समय को इस तरह से नहीं देखते?

हम फिर से देखते हैं। इतिहास कहाँ है? मेरे पीछे। भविष्य कहाँ है? मेरे सामने।

परमेश्वर उस तरह से नहीं देखता जैसे हम देखते हैं। वह इतिहास को उस तरह देखता है जैसे

हम किसी परेड को देखते हैं। वह प्रारंम्भ जानता है। वह अन्त जानता है। जब आप किसी परेड को देखते हैं, जो आगे है वह जा चुका है और जो पीछे है वह आनेवाला है। उन गवारों ने तो उस गंदगी को साफ कर दिया है जो आगे वालों ने जाते समय करी थी। क्या आप को समझ में आया? मुझे नहीं लगता।

हम समय को देखते हैं, और इतिहास हमारे पीछे है और भविष्य हमारे सामने। आप किसी परेड को देखीये; भविष्य पीछे है; और जो आगे है वह बीत चुका है। अब एक मिनट रुकिये। भविष्य मेरे सामने है, और इतिहास मेरे पीछे; परन्तु यदी मैं अपना दिमाग परमेश्वर की दृष्टि से बदल लूँ, तो जो आनेवाला है वह बीत चुका है, और जो पाछे है वह आने वाला है।

यह चित्रांकित शब्द भी यह कह रहा है ... हमें आगे किस बात का डर है "सामने रहने वाला परमेश्वर" वहाँ पहुँच चुका है, वह उस मोड पर है, उसने गंदगी की सफाई कर दी है, और जब हम वहाँ जायेंगे तो वह हमें आश्रय देगा। "यह बुरा नहीं है! इस पर विश्वास करना कठिन है परन्तु यह बुरा नहीं है।" आप में से कितनों को यह समझ में आया? आप चतुर हैं।

इस के बारे में सोचीये! "कडे जूते"... "लोहे और पीतल के" ... "कडी यात्रा के लिये"; "जैसे आप के दिन वैसे ही आप की शक्ति होगी।"; और "आगे रहने वाला परमेश्वर", जो आगे की मोड पर पहुँच चुका है और गंदगी को साफ कर चुका है, और मुझे आश्रय देने के लिये वहाँ पहुँच चुका है। और जिस को मैंने भविष्य सोचा, उस रास्ते को वह तैय कर चुका है, और जो मैं सोच रहा था की आने वाला है, वह उसके पीछे है, क्योंकी परेड की अगुवाई वही कर रहा है। हम उस की सुरक्षा से घिरे हुए हैं।

नये नियम में कहा गया है की, "परमेश्वर तुम्हें तुम्हारी सहन शक्ति से अधिक परिक्षा में नहीं डालता"; और मैं इस बात को हजारों बार कह चुका हुँ की यूनानी में कहा गया है की वह विशेष रूप से विशेष समस्या से निबटने के लिये विशेष राह दिकायेगा। ऐसी कोई समस्या नहीं है, जो आप और मैं जूझ रहे हैं, जिस से छुटकारे का मार्ग परमेश्वर ने नहीं सोच रखा है, इसलिये निराश मत होईये।

आईये हम एक बार कहते हैं। हम यहाँ आयें हैं जब से नहीं कहाः "हम १९८६ को पार कर आये हैं।" दाऊद ने परमेश्वर पर इतना विश्वास किया की उसने भविष्य को भूतकाल में बदल दिया। "हम १९८६ को पार कर आये हैं।" यह अदभुत है।

अन्त में, "नीचे अनादी हाथ हैं।" फिर से हमें इब्रानी शब्द मिला जो चित्रमय है। क्या आप जानते हैं की "पेंदारहित" क्या होता है? मैं नहीं जानता पर थोडा अनुभव कर सकता हुँ।

"नीचे।" इब्रानी शब्द एक विचार डालता है जिस का अर्थ समझना न मुमकिन है - उसके नीचे

पेंदा नहीं है....! इसका अर्थ यह है की यदी आप फिसलते हैं और वहाँ पर जा कर गिरते हैं जहां पर पेंदा नहीं है - तो उसके नीचे अनादी हाथ हैं। पेंदारहित बहुत दूर होगा, और परमेश्वर इतना फुरतिला होगा की जब वह हमें गिरते देखता है तो वह अपना हाथ वहाँ पर लगा देता है।

क्या मैं कुछ अर्थ समझा पा रहा हुँ? यानी, पेंदारहित एक "रिक्त स्थान" है। परमेश्वर बहुत फुरतिला है। कोई दूत कहता है, "स्काट गिर रहा है और संस्था उस को रौंद रही है। अपना हाथ यहाँ पर रखीये, परमेश्वर!" वह पहचान सकता है, परन्तु मेरी सुरक्षा को बढाना है, प्रतिज्ञा सर्वदा के लिये है... कभी न हटने वाली... नीचे- बिना पेंदे के - अनादी हाथ।

मैं इसलिये "अनुग्रह" के बारे में उपदेश देता हुँ। मैं इस बात से थक गया हुँ की कलीसीया हर किसी को नीचा दिखाती है। यह कडी यात्रा है। हमें इसे पहचानना है, परन्तु मेरे जूते चलेंगे। अच्छे दिन हैं और बुरे दिन, परन्तु "जैसे आप के दिन वैसे ही आप की शक्ति होगी।" भविष्य अनिष्चित है, परन्तु "आगे रहने वाला परमेश्वर," आगे मोड पर है, और उस ने सब तैयार कर रखा है। और जब हमारा दिन उस दिन पर पहुँचता है, जो हमारे लिये आज का दिन है, वह हमें उसका सामना करने की शक्ति देता है। और जब हम डगमगाते हैं, निन्दा करने वालों के कारण! परमेश्वर का वचन कहता है, "नीचे अनादी हाथ हैं।" वे कभी नहीं हटते। क्या इस बात से आप खुश हुए? हाँ?

अधिकार © २००७, पादरी मैलिसा स्काट - सारे अधिकार सुरक्षित

Copyright © 2007, Pastor Melissa Scott. - all rights reserved